

डॉ. वेंडी एल. विडर, डैनियल, सत्र 3, डैनियल की पुस्तक की संरचना

© 2024 वेंडी विडर और टेड हिल्डेब्रांट

यह डैनियल की पुस्तक पर अपने शिक्षण में डॉ. वेंडी विडर हैं। यह सत्र 3 है, डैनियल की पुस्तक की संरचना।

इस व्याख्यान में, हम डैनियल की पुस्तक की संरचना पर एक नज़र डालना चाहते हैं।

इसलिए, इससे पहले कि हम वास्तव में डैनियल वन का अध्ययन करें, मैं स्थूल-संरचना, पुस्तक की बड़ी संरचना को देखना चाहता हूँ। और वास्तव में आप डैनियल की पुस्तक तक कम से कम तीन अलग-अलग तरीकों से पहुंच सकते हैं। पहली चीज़ जिसके बारे में हम पहले ही बात कर चुके हैं, वह है शैली।

तो, आपके पास अध्याय एक से छह, अध्याय सात से 12 हैं, और ये कथात्मक कहानियाँ हैं, और ये सर्वनाश, भविष्यवाणी, यानी दो अलग-अलग शैलियाँ हैं। किताब का आधा हिस्सा एक है, दूसरा आधा दूसरा है। और हमने इनके बारे में पहले ही थोड़ी बात की है, लेकिन मैं बस समीक्षा करने जा रहा हूँ और कुछ विवरण जोड़ने जा रहा हूँ।

तो, ये कथात्मक कहानियाँ तीसरे व्यक्ति में कही जाती हैं, और वे कहानियाँ हैं। वे मनोरंजन के लिए होती हैं। जाहिर है कि उनका महत्व इससे कहीं ज़्यादा है, लेकिन वे मनोरंजन के लिए होती हैं।

उन्हें अक्सर दरबारी कहानियों या दरबारी कहानियों के रूप में वर्गीकृत किया जाता है; आप कुछ टिप्पणियाँ देख सकते हैं। तो, दरबारी कहानी एक ऐसी शैली है जो अन्य प्राचीन निकट पूर्वी साहित्य में जानी जाती है जो बंदी लोगों की कहानियों को बताती है जो एक विदेशी भूमि में रह रहे हैं, और अक्सर विदेशी दरबार में सेवा कर रहे हैं। तो, वे एक अलग देश में एक शाही राजा के लिए नौकर और दरबारी हैं।

यह आम तौर पर बताता है कि कैसे ये बंदी लोग - वे उत्पीड़ित लोग हैं, उनका जीवन खराब है, लेकिन उन्हें कठिनाई का सामना करना पड़ता है, और वे वास्तव में मूल लोगों, उस देश के मूल लोगों से ऊपर उठ जाते हैं। इसलिए, बाइबल में, हमारे पास छोटे पैमाने पर इनके कुछ उदाहरण हैं। तो, उत्पत्ति की पुस्तक में यूसुफ को मिस्र में बंदी बना लिया गया।

सबसे पहले, वह जेल की कोठरी में है, या वह एक बंदी है, जिसे पोतीफर के घर में काम करने के लिए बेच दिया गया है। वह जेल में पहुँच जाता है, लेकिन फिर उसे फिरौन के दरबार में सेवा करनी पड़ती है। और उत्पत्ति 41 और 42 में एक कहानी है जहाँ फिरौन ने एक सपना देखा है, और वह अपने सपने से परेशान है, और वह नहीं जानता कि इसका क्या मतलब है।

और उसके विशेषज्ञ उसे नहीं बता सकते। तो, उनमें से एक को याद आता है, अरे एक सेकंड रुको, मैं इस आदमी को जानता हूँ, मैं इस आदमी से जेल में मिला था, वह सपने बता सकता है। तो, वे यूसुफ, इस विदेशी बंदी को दरबार में लाते हैं, और वह उस समस्या को हल करने में सक्षम होता है जिसे राजा के अपने दरबारी नहीं सुलझा सकते थे।

तो यह एक अदालती कहानी है। आपके पास अदालत में इस विदेशी बंदी की सफलता है। एक और उदाहरण एस्तेर की किताब में है।

तो, एस्तेर, वह तकनीकी रूप से दास नहीं है, हालाँकि उसके आस-पास की परिस्थितियों में उसके पास शायद बहुत ज़्यादा विकल्प नहीं थे, लेकिन वह ज़ेरेक्सेस या अहास्वेरस के दरबार में थी। और वह शीर्ष पर पहुँच जाती है। यह दरबार की कहानी का एक अलग स्वाद है, लेकिन यह एक ही तरह का विचार है।

दानियेल की पुस्तक में, पहले छह अध्यायों में, राजा नबूकदनेस्सर के सामने एक के बाद एक कई कहानियाँ हैं, और उसके अपने विशेषज्ञ उसकी मदद करने में पूरी तरह से अक्षम साबित होते हैं। और फिर विदेशी बंदी दानियेल आता है, और वह राजा के विशेषज्ञों को मात देने में सक्षम होता है, और इसके लिए उसे पुरस्कृत किया जाता है। तो, दरबार की कहानियाँ वास्तव में दो अलग-अलग रूपों में आती हैं।

हमारे पास एक अदालती संघर्ष है, और हमारे पास एक अदालती मुक़ाबला है। तो, एक अदालती मुक़ाबला वैसा ही है जैसा हम दानियेल 2 और दानियेल 4 में पाते हैं। और इन दोनों अध्यायों में, नबूकदनेस्सर को एक परेशान करने वाला सपना आता है, उसके विशेषज्ञ उसे याद नहीं कर पाते, दानियेल आकर उसे बचाता है। तो, यह ऐसा है जैसे यह राजा के सामान्य कर्मचारियों और इस विदेशी बंदी के बीच एक मुक़ाबला है।

और विदेशी बंदी शीर्ष पर आ जाता है। यह निम्न दर्जे का एक नायक है जिसे एक कठिन समस्या को हल करने के लिए बुलाया जाता है, और वह सफल हो जाता है। अदालती संघर्ष में, आपका नायक, यह विदेशी बंदी होता है, जिसे किसी कारण से खतरा, खतरा या यहां तक कि मौत का सामना करना पड़ता है।

दानियेल की पुस्तक में, यह दानियेल 3 और दानियेल 6 में है। दानियेल 3 में, शद्रक, मेशक और अबेदनगो की कहानी, उन्हें आग की भट्टी में फेंक दिया जाता है क्योंकि वे राजा की मूर्ति के सामने झुकेंगे नहीं। और उन पर किसने कहा? खैर, राजा के विशेषज्ञों या राजा के अन्य अधिकारियों ने उनसे बातचीत की। तो, यह राजा के अधिकारियों और बंदी के बीच एक वास्तविक संघर्ष है, और फिर भी बंदी शीर्ष पर आता है।

डेनियल 6 शेर की मांद में डेनियल की कहानी है, जो एक ऐसी ही स्थिति है। डेनियल वास्तव में अपने सहयोगियों द्वारा फंसाया गया है और इसके कारण उसे शेर की मांद का सामना करना पड़ रहा है। लेकिन अंत में, बंदी को रिहा कर दिया जाता है और पदोन्नत किया जाता है या जो भी हो।

तो, यह एक जानी-मानी शैली है, और यह डैनियल के इन अध्यायों में परिलक्षित होती है, हालाँकि कुछ प्राचीन निकट पूर्वी कहानियों की तुलना में इसमें थोड़ा अलग मोड़ है। इस तरह की कहानियों का उद्देश्य क्या है? खैर, उनके दो उद्देश्य हैं। सबसे पहले, मनोरंजन करना।

वे अच्छी कहानियाँ हैं। थोड़ी देर बाद, हम उनमें से एक को ज़ोर से पढ़ेंगे क्योंकि आपको इसे सुनना ही है। आपको इसे सुनना ही है।

यह सुनने के लिए है। और इसलिए, वे मनोरंजन के लिए लिखे गए हैं, और वे मनोरंजक होते, जरूरी नहीं कि शाही दरबार या उस राष्ट्रीयता के लोगों के लिए, लेकिन वे उन लोगों के लिए मनोरंजक होते जो नायक की राष्ट्रीयता साझा करते थे। इसलिए, वे देखते हैं कि वे कैसे उत्पीड़ित हैं, लेकिन फिर भी देखिए, वे शीर्ष पर पहुंच जाते हैं।

इसलिए, एक विजित जन समूह के मनोरंजन और जातीय गौरव को बढ़ावा देने के लिए। वे अपने नायक के माध्यम से परोक्ष रूप से जीते हैं, और वे अपने नायक को सफल होते देखते हैं। उनका उपयोग उन लोगों को प्रोत्साहित करने के लिए भी किया जा सकता था जो विपत्तियों से पीड़ित थे ताकि वे सद्गुणी लोगों के आदर्शों का अनुसरण करें।

तो, यहाँ दानियेल, शद्रक, मेशक और बेनेगल हैं। वे वाकई कठिन परिस्थितियों का सामना कर रहे हैं, और फिर भी वे अपने परमेश्वर के प्रति वफ़ादार हैं। इसलिए, वे उदाहरण के रूप में काम कर सकते थे, खासकर यहूदियों के लिए, कि प्रवासी या निर्वासन में कैसे रहना चाहिए।

वास्तव में, मुझे यकीन नहीं है कि यह एक किताब है; यह निश्चित रूप से इन कहानियों के बारे में एक लेख है जो प्रवासी लोगों के लिए एक जीवनशैली है। यह ली हम्फ्रीज़ द्वारा लिखा गया है, यदि आप इसे गूगल करना चाहते हैं, जहाँ उनका तर्क है कि बाइबल में इन दरबारी कहानियों का उद्देश्य यह मॉडल स्थापित करना था कि प्रवासी काल में लोग कैसे ईमानदारी से रह सकते हैं। वे शायद आशा देने के लिए भी थे।

तो यहाँ, यह बंदी लोग इन कहानियों को देख रहे हैं, आप इन कहानियों को सुन रहे हैं जहाँ उनके अपने लोग विदेशी अदालतों में सेवा कर रहे हैं, और वे वास्तव में मदद कर रहे हैं, जैसे एस्तेर की किताब में, वह अपने लोगों की मदद कर रही है और विदेशियों की मदद कर रही है। जरा देखिए कि उनका कितना प्रभाव है, जो बंदी लोगों को यह आशा दे सकता है कि आप जानते हैं, हमारा जीवन यहां मायने रखता है। भले ही हम अपनी मातृभूमि में नहीं हैं, फिर भी हमारा एक उद्देश्य है, और हमारे पास एक जगह है, हम योगदान कर सकते हैं।

बाइबल में, विशेष रूप से, ये कहानियाँ, जैसा कि बाइबल में सब कुछ करने का इरादा है, भगवान को हमारे सामने प्रकट करती हैं। इसलिए, विशेष रूप से डैनियल की पुस्तक में, वे इज़राइल के भगवान को बाइबिल की किसी भी कहानी से श्रेष्ठ दिखाते हैं, वास्तव में बाइबिल के पात्रों, डैनियल, शद्रक, मेशक, अबेदनगो, एस्तेर और जोसेफ के बारे में कम हैं। हां, वे वहां हैं, वे महत्वपूर्ण हैं, लेकिन वे उन कहानियों का केंद्र बिंदु नहीं हैं।

उन कहानियों का मुख्य उद्देश्य यह दिखाना है कि कैसे इस्राएल का परमेश्वर राष्ट्रों का परमेश्वर है, सभी देवताओं का परमेश्वर है; वह श्रेष्ठ है, और वह अपने सेवकों के माध्यम से कार्य करता है, चाहे वे कहीं भी हों। और मुझे लगता है कि बाइबल में भी ये कहानियाँ परमेश्वर की संप्रभुता की पुष्टि करने में मदद करती हैं। तो, यूसुफ था, जो जेल में फँसा हुआ था, उसने कुछ भी गलत नहीं किया था।

यहाँ दानियेल और उसके तीन दोस्त बेबीलोन की कैद में हैं। उन्होंने कुछ भी गलत नहीं किया था। और फिर भी, पुस्तक बार-बार पुष्टि करती है कि परमेश्वर नियंत्रण में है, और वह उन विदेशी राजाओं पर भी नियंत्रण रखता है जिनकी आप सेवा कर रहे हैं। वह उन्हें अपने हाथ में रखता है। तो यह लोगों के लिए उत्साहजनक हो सकता था।

तो यह पुस्तक के पहले भाग की शैली, पुस्तक के दूसरे भाग की शैली, यह भविष्यवाणी सर्वनाशकारी है। तो, यह छह अध्याय हैं, लेकिन यह चार दर्शन हैं; डैनियल के पास चार दर्शन हैं: अध्याय सात, उसके पास एक दर्शन है, अध्याय आठ, अध्याय नौ, और फिर अध्याय 10 से 12 वास्तव में एक इकाई हैं। तो, हमारे पास चार अलग-अलग दर्शन और रहस्योद्घाटन हैं जो उन छह अध्यायों में फैले हुए हैं।

इन अध्यायों की एक विशेषता बहुत अधिक प्रतीकात्मकता है। और जब आप सर्वनाशी साहित्य की बात करते हैं, तो संभवतः इसका सबसे कठिन पहलुओं में से एक है प्रतीकवाद। तो, हमारे पास उत्परिवर्ती विशेषताओं वाले जानवर हैं, और हमारे पास अजीब जानवर हैं, हमारे पास समुद्र से उभरने वाले जीव हैं, और हमारे पास ऐसे जानवर हैं जो एक-दूसरे पर हमला करते हैं और उन्हें रौंदते हैं, और हम नहीं जानते कि प्रतीकवाद का क्या मतलब है।

अगर आपने प्रकाशितवाक्य की किताब पढ़ी है, तो आपको भी कुछ ऐसा ही देखने को मिलेगा। प्रतीकात्मकता का क्या मतलब है? ये दोनों खास तौर पर प्रतीकात्मकता में भारी हैं। ये दोनों थोड़े अलग हैं।

उन्हें सर्वनाशकारी माना जाता है, लेकिन वे प्रतीकात्मक दर्शन नहीं हैं। वे एपिफेनी की तरह अधिक हैं। अर्नेस्ट लुकास उन्हें एपिफेनी रहस्योद्घाटन कहते हैं, मुझे लगता है।

ठीक है। इनमें जो दिखाया गया है वह यह है कि स्वर्गदूत डैनियल के सामने प्रकट होता है और उसे संदेश देता है। उसे कुछ घटित होने का दर्शन नहीं दिख रहा है।

वह एक देवदूत, गेब्रियल से संदेश सुन रहा है, कम से कम यहाँ तो। तो, वे थोड़े अलग हैं, लेकिन फिर भी वे सभी सर्वनाश साहित्य माने जाते हैं। जैसा कि मैंने पहले उल्लेख किया है, यह सर्वनाश शैली द्वितीय मंदिर काल में अच्छी तरह से जानी जाती है।

हमें ठीक से पता नहीं है कि यह कब शुरू हुआ, लेकिन यह निश्चित रूप से उस समय अवधि में फूल और फलने-फूलने लगा। यह संभवतः उत्पीड़न और लोगों द्वारा ईश्वर के इस प्रलयकारी हस्तक्षेप को देखने की आवश्यकता के कारण विकसित हुआ। दुनिया में हालात इतने खराब थे कि केवल स्लेट को साफ करने से ही इसे ठीक किया जा सकता था।

और भगवान को ऐसा करने के लिए आना ही होगा। इसलिए, आप मुझे इन अध्यायों को सर्वनाश के रूप में संदर्भित करते हुए सुनेंगे। मैं उन्हें भविष्यवाणी कहूंगा।

मैं उन्हें भविष्यवाणियाँ सर्वनाशी कहूँगा, सिर्फ़ इसलिए कि जो कुछ हो रहा है उसे समझना थोड़ा मुश्किल है। यह सर्वनाशी है, लेकिन उतना पूर्ण नहीं जितना हम प्रकाशितवाक्य में देखते हैं। कुछ लोग इसे प्रोटो-एपोकैलिप्टिक कहते हैं।

आप इसे अलग-अलग तरीकों से वर्णित करने का प्रयास कर सकते हैं। यह सर्वनाश है, हाँ। भविष्यवाणी है, हाँ।

अपना खुद का लेबल बनाओ। मैं ऐसा कर सकता हूँ। विद्वानों को चीज़ों के लिए नए लेबल बनाना पसंद है।

वह किताब का दूसरा भाग है। तो, आप शैली के आधार पर पुस्तक तक पहुंच सकते हैं, और बहुत से लोग ऐसा करते हैं। आप बस इसे बीच में से विभाजित कर दें।

आप अदालत की कहानियों का अध्ययन करें। आप सर्वनाशकारी अध्यायों का अध्ययन करें और उनमें क्या समानता है। मुझे नहीं पता।

शायद कुछ भी नहीं। यह किताब तक पहुंचने का एक तरीका है। यह मेरा पसंदीदा तरीका नहीं है, लेकिन शैलियों को समझना महत्वपूर्ण है और वे व्याख्या को कैसे प्रभावित करते हैं।

पुस्तक तक पहुंचने का दूसरा तरीका तिथि सूत्र या कालक्रम है। मुझे लगता है कि फॉर्मूला सही शब्द है। डैनियल की किताब में तारीखों की एक श्रृंखला है जो हमें इसे समझने में मदद करती है।

इसमें कई विशिष्ट तिथियां हैं। मुझे इन्हें बाहर रखने दीजिए, और फिर हम उनके बारे में बात करेंगे। तो यह डैनियल की किताब है।

खैर, वास्तव में, यह एक समयरेखा है। तो यहाँ 605 ईसा पूर्व है, और यह डैनियल 1.1 में संदर्भित तारीख है। 605 ईसा पूर्व यहूदा के राजा यहोयाकीम के शासनकाल का तीसरा वर्ष है। नबूकदनेस्सर ने यरूशलेम को घेर लिया, और अंततः डैनियल और उसके दोस्तों को 605 में इस घटना से बंदी बना लिया गया।

अगली तारीख अगले अध्याय, डैनियल 2:1 में दिखाई देती है, और वह नबूकदनेस्सर के शासनकाल का दूसरा वर्ष है, जिसे हम 604-603 के आसपास रखने जा रहे हैं। अगली तारीख हमें दानियेल 7:1 में मिलती है। खैर, यह बिल्कुल सच नहीं है, लेकिन यह अगला मामला है जिसकी हमें परवाह है। 7:1 बेलशस्सर का पहला वर्ष है, जो लगभग 553 बेलशस्सर है।

फिर हमें दानियेल 8:1 में एक तारीख मिलती है, जो बेलशस्सर का तीसरा वर्ष है, जो हमें लगभग 551 ईसा पूर्व बताती है। यहां नीचे आएँ, कालानुक्रमिक रूप से, हमारे पास साइरस के पहले वर्ष का संदर्भ है। यह वास्तव में डेनियल 1.21 में है, लेकिन यह साइरस के पहले वर्ष तक, जिसे हम 539 ईसा पूर्व के रूप में जानते हैं, डेनियल के सेवारत होने, या डेनियल के बेबीलोनियन कोर्ट, एक विदेशी अदालत के दरबार में रहने के बारे में बात करता है।

मुझे इन्हें बॉक्स में रखने दीजिए ताकि आप तारीखें देख सकें। डैनियल 6:28 में, जो लायन्स डेन कहानी का अंत है, यह कथा खंड का भी अंत है, इसलिए जब हम अगले अध्याय में पहुंचते हैं, तो हम सर्वनाश साहित्य में होते हैं, हमारे पास एक बयान होता है कि डैनियल समृद्ध हुआ दारा और कुसू का शासनकाल। ये लगभग समान समय अवधि हैं।

फिर हमारे पास 9:1 में एक और है, जो डेरियस के पहले वर्ष का संदर्भ है। 10:1 में, हमारे पास कुसू के तीसरे वर्ष का संदर्भ है। ये सभी लगभग 539 हैं।

यह 537 है, कम या ज्यादा। मुझे लगता है, ओह, और फिर 11:1 में, हमारे पास डेरियस के पहले वर्ष का एक और संदर्भ भी है। ठीक है, आप इस गड़बड़ी के बारे में क्या सोचते हैं? खैर, मुझे लगता है कि अध्याय एक में इन दो तिथियों को देखना मददगार होगा।

इसलिए, 1:1 में, दानियेल को बंदी बना लिया जाता है। अध्याय एक के अंत में, वर्णनकर्ता हमें बताता है कि दानियेल कितने समय तक वहाँ रहा या उसने कम से कम कितने समय तक शाही दरबार में सेवा की। इसलिए अध्याय एक में ये दो तिथियाँ हमें कमोबेश पुस्तक, या दानियेल की सेवा, कालानुक्रमिक रूपरेखा, दानियेल की सेवा की रूपरेखा और पुस्तक की रूपरेखा दे रही हैं।

यह थोड़ा आगे तक फैला हुआ है, लेकिन मोटे तौर पर कहें तो अध्याय एक हमारे लिए इसे प्रस्तुत करता है। फिर, अध्याय दो की शुरुआत से लेकर अध्याय छह के अंत तक, जो यहीं है, हमारे पास वास्तव में अदालती कहानियों की रूपरेखा है। तो, अदालत की कहानी अध्याय दो में नबूकदनेस्सर के एक मूर्ति के सपने से शुरू होती है, अध्याय तीन, अध्याय चार, अध्याय पांच और अध्याय छह।

वे सभी अदालती कहानियाँ हैं। अध्याय सात और आठ दर्शन हैं, दानियेल के दर्शनों का पहला सेट। ये जानवरों के दर्शन हैं।

तो, उसे चार जानवरों और दो जानवरों के दर्शन हुए - यह उसके दर्शनों का पहला सेट है - और फिर उसे यहां भी दर्शन हुए।

यह दर्शन का दूसरा समूह है। और यह 70 सप्ताहों और उत्तर और दक्षिण के राजाओं का दर्शन है। तो, मुझे लगता है कि यह आपको इस पुस्तक के कालक्रम के संदर्भ में एक परिप्रेक्ष्य प्राप्त करने में मदद करने जैसा है।

इसलिए, यह दिलचस्प है कि कथा कहानियाँ यहीं से शुरू होती हैं। कथा यहीं समाप्त होती है। डैनियल शेर की मांद में है, उसे शेर की मांद से बचाया गया है।

और फिर किताब वास्तव में पीछे हट जाती है। जब आप अध्याय सात की ओर मुड़ते हैं, तो आप समय में पीछे चले जाते हैं; इससे कालक्रम बाधित होता है। तो, ये दो दृष्टिकोण उस समय स्थापित किए गए हैं जब ये अदालती कहानियाँ घटित हो रही हैं।

लेकिन आप वास्तव में यह नहीं जानते जब तक कि आप सचेत रूप से अपने आप को नहीं लेते, ओह, बेलशस्सर, ठीक है, वह यहाँ बहुत पीछे आ गया है। यह दर्शन का पहला सेट है। ये दूसरे तब आते हैं जब अदालती कहानियाँ खत्म हो रही होती हैं और एक या दो साल भविष्य में जा रही होती हैं।

यह सिर्फ यह समझने का एक मददगार तरीका है कि अध्याय किस तरह एक साथ फिट होते हैं, सिर्फ कालक्रम के संदर्भ में। तो यह एक और तरीका है जिससे आप किताब को समझ सकते हैं। तीसरा तरीका, और मुझे लगता है कि किताब की व्याख्या करने के मामले में जिस तरह से हमें सबसे ज़्यादा मदद मिलती है, वह है भाषा और खास तौर पर भाषा द्वारा बनाई गई संरचना।

तो, हमने देखा, आप इसे शैली के अनुसार संरचित कर सकते हैं, आप इसे इस कालक्रम के अनुसार संरचित कर सकते हैं, और अब हम इसे भाषा के अनुसार संरचित करने जा रहे हैं। तो याद रखें कि मैंने कहा था कि दानियेल में दो अलग-अलग भाषाएँ हैं। यह एक पूरे अध्याय और फिर चार छंदों के लिए हिब्रू में शुरू होता है, और फिर यह अरामी में बदल जाता है, और फिर यह अध्याय आठ से 12 तक हिब्रू में वापस चला जाता है।

तो अरामी भाषा हिब्रू की बहन या चचेरी बहन है। निर्वासन के बाद वे वास्तव में एक ही वर्णमाला और एक ही लिपि साझा करते हैं। अब, पुराने नियम में कुछ अन्य स्थान हैं जहाँ हमें अरामी भाषा की थोड़ी झलक मिलती है।

उत्पत्ति में, यिर्मयाह में, कुछ अलग-अलग आयतें हैं जिनमें अरामी भाषा है। एज्रा की पुस्तक में फ़ारसी अधिकारियों, फ़ारसी प्रशासन और देश में यहूदियों के बीच लिखे गए पत्राचार के पत्र हैं। तो वे वाणिज्यिक भाषा में हैं, जो उस समय की आम भाषा थी।

और फिर हमारे पास डैनियल की पुस्तक है, जिसमें यह विसंगति है, यह अरामी भाषा का एक अजीब तरीके से उपयोग है। अरामी भाषा वास्तव में दुनिया की सबसे लंबे समय तक जीवित रहने वाली भाषा है। अभी भी कुछ लोग हैं, जो कम होते जा रहे हैं, जो अरामी भाषा के कुछ भिन्न रूप बोलते हैं।

हम कम से कम 9वीं शताब्दी ईसा पूर्व से इसकी शुरुआत के बारे में जानते हैं, लेकिन कोई भी भाषा बदलती रहती है। इसलिए, समय के साथ इस भाषा में विविधताएं और परिवर्तन, बोलियाँ आती रहती हैं। और डैनियल की पुस्तक में जिस बोली का उपयोग किया जाता है उसे आमतौर पर इंपीरियल अरामीक कहा जाता है।

यह डैनियल के समय के दौरान प्राचीन निकट पूर्वी दुनिया की प्रमुख भाषा, लिंगुआ फ्रेंका थी। मुझे यहाँ एक छोटा सा नोट लेना है। कुछ लोगों को आश्चर्य होता है, आपने अभी मुझे यह कहते हुए सुना कि अरामी भाषा लंबे समय से मौजूद है, और इसमें बहुत बदलाव आया है।

तो, आपके मन में एक सवाल हो सकता है, क्या दानियेल में अरामी भाषा हमें दानियेल की किताब की तारीख बताने में मदद करती है? क्या हम कह सकते हैं कि यह छठी सदी की अरामी भाषा है या दूसरी सदी की अरामी भाषा? यह सवाल बहुत बार पूछा गया है। नहीं, यह वास्तव में मदद नहीं करता है। यह सबसे आसान जवाब है, और यह आम सहमति है।

नहीं, इससे कोई मदद नहीं मिलती. डैनियल में अरामाइक इंपीरियल अरामाइक है, और इसकी तारीखें 700 से 200 तक हैं। इसलिए शुभकामनाएँ।

इसलिए, इससे पहले कि हम उन संभावित कारणों के बारे में बात करें कि डैनियल के पास अरामी भाषा के ये छह अध्याय क्यों हो सकते हैं, आइए मैं अरामी भाषा बोलने वाले यहूदियों के बारे में थोड़ी बात करूँ। ऐसे कुछ लोगों के समूह हैं जिनके बारे में हम जानते हैं कि उन्होंने अरामी भाषा का प्रयोग किया होगा। इसलिए, निर्वासन में यहूदियों ने संभवतः हिब्रू को तब तक जीवित रखा जब तक वे कर सकते थे, ठीक उसी तरह जैसे हमारे देश में एक आप्रवासी समुदाय अपनी भाषा को जीवित रखने की कोशिश कर सकता है, विशेष रूप से पहली पीढ़ी, और वे अपने घर में उस भाषा को बोल सकते हैं।

लेकिन आप उस सक्रिय आप्रवासन से जितना दूर होते जाते हैं, भाषा उतनी ही अधिक पतली होती जाती है, और अंततः लुप्त हो जाती है। इसलिए, हमें लगता है कि यह संभव है कि निर्वासन में रहने वाले यहूदी कुछ समय तक हिब्रू बोलते थे, लेकिन उन्होंने अरामी भाषा सीखी। संभवतः उन्हें साथ रहना था, लेकिन अंततः, यह खो गया होगा।

यहूदिया में रहने वाले यहूदियों के बारे में क्या, जिन्हें निर्वासन में नहीं ले जाया गया था? उन्होंने संभवतः हिब्रू को, फिर से, जब तक संभव था, जीवित रखा, लेकिन उन्हें किसी भी तरह के सरकारी या आधिकारिक दस्तावेजों के लिए अरामी का उपयोग करना पड़ा होगा। और यह दिलचस्प है जब आप एज्रा की पुस्तक और निर्वासन के बाद एज्रा की पुस्तक को देखते हैं, और एज्रा एक लेखक था, और वह लोगों को हिब्रू टोरा पढ़ रहा था, लेकिन इसका अर्थ लगाया जाना था, जिसका अर्थ यह हो सकता है कि इसका वास्तव में अनुवाद किया जाना था। हम बस यह सुनिश्चित नहीं हैं कि निर्वासन के बाद के लोगों के पास अभी भी टोरा को समझने में सक्षम होने के लिए पर्याप्त भाषा थी या नहीं।

तो, हमारे पास ये दो भाषाएँ अलग-अलग समुदायों में साथ-साथ चल रही हैं, लेकिन डैनियल में वे साथ-साथ क्यों हैं? खैर, बहुत सारे सिद्धांत हैं। मैं आपको कुछ सिद्धांत दूंगा, और फिर मैं उस पर ध्यान केंद्रित करूँगा जो मुझे सबसे अधिक विश्वसनीय लगता है। एक सिद्धांत है कि ये अध्याय अरामाइक के हैं... ठीक है, तो हमें हिब्रू अध्याय 1 से 2, पद 4, फिर अरामाइक अध्याय 2 से 7, और फिर हिब्रू में वापस मिल गया है।

और अधिकांश भाग के लिए, ये कहानियाँ हैं। अध्याय 7 को छोड़कर, ये विदेशी अदालतों में यहूदी बंदियों की कहानियाँ हैं। इसलिए, एक सिद्धांत यह है कि, इन कहानियों में बेबीलोनियाई और यहां तक कि फ़ारसी राजा भी शामिल हैं, और इसलिए वे सीधे उन लोगों से संबंधित हैं जिनकी पहली भाषा शायद अरामी थी . इसलिए, हमने इन कहानियों को अन्यजातियों के लिए उपलब्ध कराया।

हमने उन्हें बेबीलोनियों और फारसियों के लिए उपलब्ध कराया। हो सकता है, लेकिन वास्तव में कहानियाँ यहूदियों के बारे में अधिक हैं। यदि आप फ़ारसी या बेबीलोनियाई हैं, तो आप शायद इन कहानियों के बारे में बहुत उत्साहित नहीं होंगे जहां यहूदी बंदी आपकी शक्तियों पर हावी हो रहे हैं।

तो, यह एक सिद्धांत है, लेकिन मुझे लगता है कि जो कहानियाँ आंशिक रूप से राष्ट्रीय देवताओं की हीनता प्रदर्शित करने के लिए लिखी जाती हैं, वे संभवतः उस संस्कृति द्वारा अच्छी तरह से गले नहीं उतारी जाएंगी। दूसरा सिद्धांत यह है कि डैनियल की किताब पूरी तरह से अरामी भाषा में लिखी गई थी। इसलिए, अध्याय 1 से 12 सभी अरामी भाषा में लिखे गए थे, और फिर बाद में किसी समय, हिब्रू अध्यायों का अरामी से हिब्रू में अनुवाद किया गया ताकि वे यह सुनिश्चित कर सकें कि पुस्तक इसे कैनन में बनाएगी।

ठीक है, ठीक है, मान लीजिए कि कैनन में होने के लिए इसका हिब्रू में होना आवश्यक है। ठीक है, अगर मैं आपको इसकी इजाजत देता हूँ, लेकिन फिर बेतरतीब ढंग से अध्याय 2 से 7 क्यों चुनें? वह अरामी भाषा है. पूरी किताब क्यों नहीं लिखी? मुझे नहीं पता।

यह कोई बहुत पुख्ता सिद्धांत नहीं है. तीसरा सिद्धांत यह है कि अरामाइक एक साहित्यिक उपकरण है जो उन कहानियों को प्रामाणिकता प्रदान करता है जो अरामाइक-भाषी स्थान पर आधारित हैं। और यह तर्क, मुझे लगता है, इस तथ्य से आता है कि जब यह हिब्रू से अरामी भाषा में बदलाव करता है, तो पाठ कहता है कि कसदियों ने राजा को अरामी भाषा में उत्तर दिया, और फिर यह अरामी भाषा में स्थानांतरित हो गया।

अब, कुछ अनुवादों में इसे अरामी भाषा में शामिल नहीं किया जाएगा क्योंकि वे कहेंगे, ठीक है, यह सिर्फ एक लिखित टिप्पणी थी, एक अनुस्मारक कि, हे, नमस्ते, भाषा यहां स्थानांतरित हो गई है। ध्यान देना। यह एक सिद्धांत के रूप में काम कर सकता है, सिवाय इसके कि यह छह अध्यायों तक अरामी में क्यों रहता है जब आपके पास कुछ संवाद होते हैं लेकिन सीधे संवाद नहीं होते?

इसलिए, मुझे नहीं लगता कि यह अंततः हमें वहाँ ले जाता है जहाँ हम जाना चाहते हैं। मुझे लगता है कि अरामी भाषा एक साहित्यिक उपकरण है, लेकिन यह प्रामाणिकता प्रदान नहीं करता है। मुझे लगता है कि यह एक साहित्यिक उपकरण है कि ये छह अध्याय, ये अरामी अध्याय, वास्तव में एक व्याख्यात्मक कुंजी या पुस्तक के बाकी हिस्सों तक पहुँचने के तरीके के रूप में कार्य करते हैं।

और किताब के बाकी हिस्से से मेरा मतलब है 8 से 12 तक। मैं इसे विस्तार से बताता हूँ और आपको बताता हूँ कि मैं ऐसा क्यों सोचता हूँ। ठीक है।

ये छह अध्याय वास्तव में एक बहुत ही बढ़िया संरचना में आते हैं। ठीक है। तो, अध्याय दो में, हमारे पास हैं। ये अरामी अध्याय हैं।

हमारे पास नबूकदनेस्सर की कहानी है, जिसने एक शानदार धातु की मूर्ति के बारे में एक सपना देखा, जिसका दानियेल ने उसके लिए अर्थ निकाला। यह सपना चार मानव राज्यों के बारे में है जो अंततः नष्ट हो जाते हैं और एक स्वर्गीय राज्य द्वारा पार कर जाते हैं, एक पाँचवाँ राज्य जो हमेशा के लिए कायम रहेगा। तो, यह चार राज्यों और एक पाँचवें शाश्वत राज्य के बारे में है।

मूर्ति सपने का यही मतलब है। अध्याय तीन शद्रक, मेशक और अबेदनगो की कहानी है, और वास्तव में, नबूकदनेस्सर की मूर्ति के सामने न झुकने के कारण उन्हें खड़ा कर दिया गया, या उन पर हमला किया गया, और उन्हें आग की भट्टी में डाल दिया गया। यह उनकी मौत की सजा है, लेकिन जैसा कि यह पता चला है, भगवान उन्हें बचाता है, और नबूकदनेस्सर शद्रक, मेशक और अबेदनगो के देवता का सम्मान करता है।

इसलिए, उन्हें मृत्यु से मुक्ति मिल गई, और उन्हें मृत्यु का सामना करने का कारण उनका विश्वास था। ठीक है। अध्याय चार नबूकदनेस्सर का एक और सपना है, और इस सपने में, वह इस शानदार पेड़ को देखता है, और यह पृथ्वी को भरता है, और यह उसके चारों ओर सब कुछ खिलाता है, छाया प्रदान करता है।

यह अद्भुत पेड़ है। और फिर अचानक, इसे काटने का आदेश दिया जाता है। यह देखने वाला, यह देवदूत कहता है, इसे काट डालो, इसके पत्ते बिखेर दो, इसे नष्ट कर दो।

और दानियेल ने इस स्वप्न का अर्थ यह कहकर निकाला, कि हे नबूकदनेस्सर, परमेश्वर तेरे घमण्ड के कारण तेरा न्याय करता है। तो, हमारे पास एक गौरवान्वित मानव राजा है जिसका न्याय उसके अधिकार, वास्तव में उसके ईश्वर प्रदत्त अधिकार से आगे बढ़ने के लिए किया जा रहा है। तो, अभिमानी राजा, भगवान द्वारा न्याय किया गया।

अध्याय पाँच में, हमें एक नया राजा मिलता है। यह बेलशस्सर है, और बेलशस्सर दीवार पर लिखावट देखता है, और यह लिखावट वह समझ नहीं पाता है, और उसके विशेषज्ञ उसकी मदद नहीं कर सकते हैं, और डैनियल इसकी व्याख्या करने के लिए आता है। डैनियल कहता है, बेलशेज़र, तुम्हें गर्व है।

भगवान आपके अहंकार के लिए आपका न्याय कर रहा है। वह अंतिम बात है। वह एक घमंडी राजा था, उसके घमंड के कारण भगवान ने उसका न्याय किया।

अध्याय छह शेर की मांद में डैनियल की कहानी है। और उसके शेर की मांद में होने का कारण यह है कि वह अपने परमेश्वर के प्रति वफादार था। उन्होंने वास्तव में मूर्तिपूजा करने से इनकार कर दिया।

अपनी वफ़ादारी के कारण उसे मृत्यु का सामना करना पड़ा, और उसे छुटकारा मिल गया। इसलिये वह विश्वासयोग्य होने के कारण मृत्यु से बचा लिया गया। अध्याय सात, याद रखें यह हमारी पारी है।

तो अब हम सर्वनाश में हैं। डेनियल को दर्शन हो रहे हैं। डैनियल को इस उथल-पुथल वाले समुद्र से चार उत्परिवर्ती जानवरों के उभरने का सपना आता है, और अंततः उन्हें नष्ट कर दिया जाता है और उनका न्याय किया जाता है, और इस सपने से पांचवां शाश्वत राज्य आता है।

ठीक है, आप शायद समानताएँ देख सकते हैं। तो, हमारे यहां एक तरह के समानांतर खाते चल रहे हैं। ठीक है, यह व्यापक रूप से मान्यता प्राप्त है, ठीक है? यह मेरी छात्रवृत्ति नहीं है।

कोई भी टिप्पणी आपको इस संगठन के बारे में बताएगी। लेकिन क्यों? यह क्या है? विद्वान इससे चियास्म या चियास्म कहना पसंद करते हैं, यह इस बात पर निर्भर करता है कि आप इसे कैसे कहना चाहते हैं। मरियम-वेबस्टर का कहना है कि आप दोनों कह सकते हैं।

तो, चियास्म या चियास्टिक संरचना ग्रीक अक्षर ची से आती है। x अपने आप में एक प्रकार की तह है। यदि मैंने इसे इंडेंट किया होता, तो मैं कह सकता था, यहां अध्याय दो है, अध्याय दो वहां है, या अध्याय सात है, वे एक ही स्तर पर हैं।

अध्याय तीन, अध्याय छह समान स्तर पर हैं। अध्याय चार, अध्याय पांच. तो, इस तरह हम उन चीजों को देखते हैं जो उनमें समान हैं, ठीक है? यहीं पर चियास्म आता है।

यह अपने आप मुड़ जाता है। अब, प्राचीन साहित्य में से किसी ने भी इसका कोई कारण नहीं छोड़ा कि उन्होंने इसका उपयोग क्यों किया होगा। लेकिन आप इस प्रकार की संरचना पूरे पुराने नियम में पा सकते हैं।

कुछ लोग दूसरों की तुलना में अधिक देखते हैं, लेकिन कुछ स्थानों पर, यह बिल्कुल स्पष्ट है। यह बिल्कुल स्पष्ट है. और उन्होंने हमें यह नहीं बताया कि उन्होंने ऐसा क्यों किया होगा।

तो, याद रखें, यहाँ क्या हो रहा है, इसका अनुमान लगाने के लिए हमें एक तरह से छोड़ दिया गया है। लेकिन विद्वानों का मानना है कि चिआस्टिक संरचना का एक उद्देश्य आपका ध्यान बीच में क्या है, इस ओर आकर्षित करना है। ध्यान किस पर है? केंद्र बिंदु क्या है? खैर, इस चिआस्म के केंद्र में क्या है? आपके पास गर्वित मानव राजा हैं, जिन्हें उनके गर्व के लिए भगवान द्वारा न्याय किया जा रहा है।

अब, दानियेल की पुस्तक का एक प्रमुख संदेश राजत्व है, विशेष रूप से ईश्वरीय राजत्व और मानवीय राजत्व के बीच का संबंध, जिसके पास अंततः अधिकार है। और दानियेल की हर कहानी इस बात पर ध्यान केंद्रित करती है या हमें इस मार्ग पर ले जाती है कि परमेश्वर का राज्य ही एकमात्र शाश्वत राज्य है, और यह हमेशा के लिए कायम रहने वाला है। और चाहे ज़मीन पर

चीज़ें कैसी भी दिखें, चाहे परिस्थितियाँ कैसी भी दिखें, परमेश्वर अभी भी नियंत्रण में है, और वह अपने शाश्वत राज्य को अस्तित्व में ला रहा है।

यह डैनियल की पुस्तक का एक प्रमुख विषय है। यह दिलचस्प है कि इस कहानी का दिल घमंडी मानव राजाओं के बारे में ये दो अध्याय हैं जिन्होंने अपनी सीमाओं का उल्लंघन किया और भगवान द्वारा उनका न्याय किया गया। यदि आप इन दो अध्यायों के बारे में सोचते हैं, तो यह भी दिलचस्प है कि राजाओं ने भगवान के फैसले और सुधार पर अलग-अलग प्रतिक्रिया दी।

तो, नबूकदनेस्सर को उसके घमंड के लिए आंका गया है, लेकिन अध्याय चार में थोड़ा सा संकेत है कि शायद उसने थोड़ा पश्चाताप किया, और फिर अंततः, उसका न्याय किया गया। लेकिन अध्याय के अंत में, वह दानियेल के परमेश्वर की स्तुति कर रहा है कि वह कितना महान है और उसके शाश्वत राज्य के लिए। तो, नबूकदनेस्सर डैनियल की किताब में भगवान और उसके राज्य की महानता के बारे में यह अद्भुत बयान देने के बाद मंच से बाहर निकल जाता है।

यह नबूकदनेस्सर है, अपने समय का सबसे महान राजा, और वह ईश्वर से प्राप्त अपनी शक्ति को स्वीकार कर रहा है। उसका न्याय किया गया है, लेकिन उसकी प्रतिक्रिया सही है। बेलशस्सर, ओह, मुझे अध्याय पाँच बहुत पसंद है; हम अध्याय पाँच में मज़ा करने जा रहे हैं; बेलशस्सर को उसके घमंड के लिए न्याय किया जाता है।

उसे वास्तव में पश्चाताप करने का मौका भी नहीं दिया गया। उसके लिए न्याय तुरंत आता है। लेकिन कहानी आपको बताती है कि ऐसा क्यों होता है।

बेलशस्सर को शिक्षा नहीं दी जा सकती थी। उसके पास अपने पिता का उदाहरण था, और फिर भी उसने मूल रूप से इस्राएल के परमेश्वर की अवहेलना की। इसलिए, बेलशस्सर ने अपने जीवन में परमेश्वर की संप्रभुता के प्रति पूरी तरह से अनुचित प्रतिक्रिया व्यक्त की।

तो, यह किताब हमें मानवीय राजत्व, मानवीय राजाओं के सम्बन्ध, और विशेष रूप से गैर-यहूदी मानवीय राजाओं के सम्बन्ध को दिखा रही है। गैर-यहूदी राजा। ये दाऊदवंशीय राजा नहीं हैं।

ये अन्य राष्ट्रों के राजा हैं जहां भगवान के लोग अंततः रहते हैं, और स्पष्ट रूप से जहां भगवान के लोग आज रह रहे हैं, है ना? हम विदेशी, ऐसा कहें तो, राजाओं के अधीन रहते हैं। और यह चिआस्म उस उचित प्रतिक्रिया पर प्रकाश डालता है जो मानव राजाओं को ईश्वर के प्रति रखनी चाहिए। उनकी शक्ति ईश्वर से प्राप्त होती है।

यह उन्हें ईश्वर द्वारा दिया गया है, लेकिन इसमें जिम्मेदारी भी आती है। ठीक है, तो यह आंतरिक भाग घमंडी मानव राजाओं और भगवान के साथ उनके संबंध को देख रहा है। आइए दो बाहरी लोगों पर चलते हैं।

ये दो अध्याय ईश्वर के शाश्वत साम्राज्य के इस लौकिक दृश्य के साथ संपूर्ण चिआस्म की स्थापना करते हैं। हम प्रत्येक में चार मानव साम्राज्यों को देख रहे हैं, लेकिन समग्रता चार है। आप यह भी कह सकते हैं कि यह सब मानव इतिहास है।

और यहाँ हमारे पास यह पाँचवाँ शाश्वत है। ईश्वर का शासन लौकिक है। ईश्वर किसी व्यक्तिगत सिंहासन तक सीमित नहीं है।

वह सभी राजाओं और राज्यों के ऊपर है, और केवल उसका राज्य ही सर्वदा बना रहेगा। तो, यह ईश्वर की संप्रभुता का एक लौकिक दृष्टिकोण है। ठीक है, इसलिए हमने यहां अलग-अलग राजाओं को देखा।

हमने यहां इस ब्रह्मांडीय दृश्य को देखा। इन दो अध्यायों के बारे में क्या? खैर, परमेश्वर के लोग, चाहे अच्छा हो या बुरा, विदेशी राजाओं के शासन में फंसे हुए हैं। और उनमें से कुछ राजा और सरकारें शत्रुतापूर्ण होंगी।

जीवन बहुत कठिन हो जाएगा। उनमें से कुछ अनुकूल होंगे। तो, डैनियल वास्तव में डेरियस के साथ बहुत अच्छी तरह से घुलमिल जाता है।

जब राजा डेरियस को अंततः मौत की सज़ा देनी पड़ी, तो वह टूट गया। वह ऐसा नहीं करना चाहता क्योंकि उसे डैनियल पसंद है। ऐसा प्रतीत होता है कि वह डैनियल को शेर की माँद में फेंकने से पहले उसके ईश्वर की प्रशंसा करता है, लेकिन उसे ऐसा करना होगा।

वह अपने कानून से बंधा हुआ है। अध्याय तीन में, नबूकदनेस्सर एक उग्र पागल है। उसे... दूसरा मौका मिलता है, और फिर वह उसे आग में फेंक देता है।

तो, आपके पास एक शत्रुतापूर्ण मानव सरकार है। आपके पास... आप जानते हैं, मैं शत्रुतापूर्ण नहीं होऊंगा। मैं आपको पसंद करता हूँ।

इसलिए, परमेश्वर के लोग अपने विदेशी देशों में अलग-अलग परिस्थितियों में रहते हैं, लेकिन वे वफ़ादार हो सकते हैं। उन्हें मौत का सामना करना पड़ सकता है। इन अध्यायों का संदेश यह नहीं है कि परमेश्वर उन्हें मौत से बचाएगा।

उसने ऐसा किया, लेकिन उसे ऐसा करने की ज़रूरत नहीं थी। लेकिन वे वफ़ादार हो सकते हैं, चाहे वे किसी भी तरह के राजा के अधीन रहते हों। तो, यह पूरी चियास्टिक संरचना है, ये कहानियाँ, और इस सर्वनाशकारी अध्याय के साथ, जो पुस्तक के इन भव्य विषयों को स्थापित करता है, और कुछ भव्य विषय, मुझे लगता है, जो हमें अध्याय 8 से 12 तक पहुँचने में मदद करते हैं।

तो, अध्याय एक में, आप सोच रहे होंगे कि अध्याय एक का क्या हुआ। अध्याय एक किताब की प्रस्तावना की तरह है। यह मुख्य पात्रों, कुछ मुख्य विषयों और कुछ संघर्षों का परिचय देता है जो वहाँ होने वाले हैं।

हम अपने अगले व्याख्यान में इसके बारे में और बात करेंगे। यह हिब्रू में है। यह पुस्तक का प्रस्तावना परिचय है।

अध्याय दो हमें कहानियों की इस चिआस्टिक संरचना में ले जाता है, सर्वनाशकारी, और फिर जब हम अध्याय 8 से 12 तक पहुँचते हैं, तो मुझे इन कहानियों के बारे में एक और बात कहने दीजिए। ये कहानियाँ और ये दृष्टि सभी बेबीलोन में, निर्वासन की भूमि में वापस सेट की गई हैं। इसलिए, वे अपना भूगोल बेबीलोन में सेट कर रहे हैं।

ठीक है। अध्याय 8 से 12 में, दानियेल अभी भी बेबीलोन में है, लेकिन वह भविष्य के दर्शन वापस उसी देश में देखता है, इसलिए भूगोल बदल जाता है।

ये कहानियाँ बेबीलोन में घटित हो रही हैं। ये दृश्य फिलिस्तीन में जीवन को दर्शाते हैं, और वे एक भयानक जीवन को दर्शाते हैं। इन दृश्यों में जीवन वास्तव में कठिन है।

यह सर्वनाशकारी साहित्य है, उत्पीड़ित, पीड़ित लोगों का साहित्य, जहाँ जीवन बहुत बुरा है। एकमात्र उम्मीद यह है कि भगवान आएँ, स्लेट को साफ करें, और फिर से शुरुआत करें। वे उत्पीड़ित हैं।

वे पीड़ित हैं। इन पीड़ित लोगों को पीड़ा से बाहर निकलने के लिए क्या चाहिए? खैर, आंशिक रूप से, मुझे लगता है कि यह चियास्म इसी बात को संबोधित कर रहा है। इन पीड़ित लोगों को यह आधारभूत सत्य देखने की आवश्यकता है कि उनके परमेश्वर का राज्य शाश्वत है।

यह अंततः पृथ्वी को भर देगा। सभी मानव साम्राज्य नष्ट हो जाएँगे। वह मानव राजा जो अभी आप पर अत्याचार कर रहा है, वह हमेशा के लिए नहीं है।

परमेश्वर का राज्य विजयी होगा। परमेश्वर के लोग चाहे किसी भी परिस्थिति का सामना करें, वे वफ़ादार रह सकते हैं, और परमेश्वर अंततः उन घमंडी मानव राजाओं का न्याय करेगा जो आपके जीवन को दुखी बना रहे हैं। इसलिए, मुझे लगता है कि यह चिआस्टिक संरचना आंशिक रूप से अरामी भाषा में है क्योंकि यह बेबीलोन में स्थापित है।

यह लोगों के लिए विदेशी भाषा है। कुछ मायनों में, हिब्रू उनकी मातृभाषा है। यह बेबीलोन में स्थापित है।

यह विदेशी है। यह वैसा नहीं है जैसा वे चाहते थे, लेकिन इस चिआस्टिक संरचना से हमें ये आधारभूत सत्य मिलते हैं जो उन्हें उस भूमि पर वापस जीवन में ले जाते हैं। उन्हें किस तरह के आराम की ज़रूरत है? मुझे लगता है कि यह इन कहानियों से आता है।

तो यह चियास्म के बारे में मेरा दृष्टिकोण है। मैं शायद अन्य लोगों की तुलना में इसके बारे में अधिक पढ़ रहा हूँ। इससे मुझे हिब्रू और अरामी भाषा को समझने में मदद मिलती है।

यह मेरे लिए कुछ हद तक समझ में आता है। इसमें विषयगत गुणवत्ता है, न कि सिर्फ़, ठीक है, वे अरामी हैं, एक साथ चिपके हुए हैं, या उन्होंने उन सभी का अनुवाद नहीं किया। मुझे नहीं पता।

इससे मुझे पुस्तक को समग्र रूप से देखने और यह देखने में मदद मिलती है कि यह उद्देश्यपूर्ण है।

यह जानबूझकर किया गया है। यह एक जानबूझकर किया गया ढांचा है। यह कोई, ओह, मिला-जुला नहीं था, और देखो क्या हुआ।

यह जानबूझकर किया गया था। खैर, क्यों? हो सकता है कि मेरे पास इसका उत्तर न हो, लेकिन यह पुस्तक के बारे में समग्र रूप से सोचने का एक सहायक तरीका है। इसलिए हमने अपनी परिचयात्मक सामग्री समाप्त कर ली है, और जब हम अपने अगले व्याख्यान में वापस आएं, तो हम दानियेल 1 पर विचार करेंगे।

यह डॉ. वेंडी विडर हैं जो दानियेल की पुस्तक पर अपना शिक्षण दे रही हैं। यह सत्र 3 है, दानियेल की पुस्तक की संरचना।